†**श्री हेम बरुआ** : क्या खान की छत अब भी कमजोर ही है। क्या सरकार इस बात का प्रयत्न करेगी कि इन खानों में प्रबन्ध ठीक हो और ऐसी दुर्घटनायें न हों ?

†**श्री र० कि० मालवीय** : दुर्घटना की जांच हो रही है, और पूरी जानकारी जांच का अन्तिम प्रतिवेदन प्राप्त हो जाने पर हीं दी जा सकती है।

†**श्री हेम बरुआ** । सहायता कार्य की स्थिति क्या है ?

†**श्री र० कि० मालवीय** : छत तो ठीक ठाक थी।

श्री द्वारकादास मंत्री (भीर) : जो इस प्रकार की दुर्घटनायें दिन प्रतिदिन होती रहती है, उनको देखते हुए क्या सरकार जो लोग हलाक होते हैं उनके आश्रितों को तुरन्त नौकरी देने के लिए कोई संशोधन लाने का विचार कर रही है ?

श्री र० कि० मालवीय : जैसे ही एक्सिडेंट होता है और उसका पता हमें चलता है, उसी समय उनके परिवारों को सहायता दी जाती हैं। कोल माइन्स वेलफेयर आर्गेनाइजेशन अलग से सहायता देता है और एम्प्लायीज़ से अलग से दिलाया जाता है। इसके साथ साथ जो उनका कम्पेन्सेशन का क्लेम होता है वह भी उन्हें दे दिया जाता है। दुर्घटना के बारे में इतना ही पता चला हैं कि यह बिना चेतावनी दिये छत के एक खण्ड के गिरने से हुई। और अधिक जानकारी मेरे पास नहीं।

तिब्बत में चीनी सेनाओं का भारी जमाव

†**श्री यशपाल सिंह** (कैराना) : मैं प्रधान मन्त्री का ध्यान निम्न अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि और उनसे निवेदन करता हूं कि इस सम्बन्ध में अपना वक्तव्य दें :—

"तिब्बत में चीनी सेना का कथित भारी जमाव।"

†**प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री और अणुशक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू)** : १ मार्च, १९६३ को चीन सरकार के राष्ट्रीय प्रतिरक्षा मन्त्रालय ने एक वक्तव्य जारी किया है जिसमें बताया गया है कि चीन ने स्वेच्छा से समुची भारत-चीन सीमा पर से अपनी सेवनाएं पीछे हटा ली हैं। यह कहा गया है कि चीन द्वारा अभ्यर्थित 'वास्तविक नियन्त्रण की रेखा' के स्थान से २० किलोमीटर पीछे तक सेनाएं हटा ली गई हैं। यह भी दावा किया गया है कि चीनी सेनाएं ८ सितम्बर, १९६२ को अपनी स्थिति से बहुत पीछे हैं।

३ मार्च को चीन के प्रधान मन्त्री से एक पत्र प्राप्त हुआ जिसमें उन्होंने अपनी सेनाओं के एक पक्षीय पीछे हटने और बातचीत करने का उल्लेख किया। उत्तर में ५ तारीख को उनको एक पत्र भेज दिया गया है जिसमें बताया गया है कि चीन पहले बिना आरक्षण के कोलम्बो प्रस्तावों को स्वीकार करे, जैसा कि भारत ने किया है, और तभी भारत बातचीत के लिये तैयार हो सकता है।

पिछले पन्द्रह दिनों से चीन से कई नोट प्राप्त हुए हैं जो उत्तेजित भाषा में लिखे हुए हैं। उनमें लगाये गये झूठे आरोपों का भारत ने अपने उत्तरों में खण्डन किया है।

तिब्बत में सेनाओं के और जमा किये जाने, हमारी सीमाओं के साथ और सड़कें बनाए जाने और हमारी सीमाओं के उत्तर में तिब्बती क्षेत्र में चीन सशस्त्र बलों द्वारा तिब्बती ग्रामीणों, पशुओं

---

†मूल अंग्रेजी में

आदि के अर्जन के बारे में विश्वस्त जानकारी प्राप्त हुयी है । यद्यपि चीनी सेनाएं अपनी कथित वास्तविक नियन्त्रण की रेखा से २० किलोमीटर पीछे हट गयी है, उस तंग पट्टी के परे उनका जमाव जारी है ।

कुछ अन्य बातों से भी हमारे लिये चीन की शान्तिपूर्ण समझौते की इच्छा पर विश्वास करना कठिन हो गया है । चीनी प्रतिरक्षा मन्त्रालय के वक्तव्य के अन्त में एक चेतावनी है कि यद्यपि चीनी सीमान्त गार्ड ७ नवम्बर, १९५९ की वास्तविक नियन्त्रण की रेखा से पीछे हट गये उन्होंने आत्म-रक्षा का अपना अधिकार नहीं छोड़ा । इसके साथ ही मार्शल चेन यी के इस वक्तव्य से कि भारत सरकार के वर्तमान रवैये को देखते हुए भारतीय सेनाएं समय-समय पर उत्तेजनात्मक कार्यवाही करेगी, यह अर्थ निकलता है कि चीनी जब चाहे आक्रमण कर सकेंगे ।

अतः हमें किसी भी सम्भव घटना के लिए तैयार होना है । फिर भी आशा है कि चीन कोलम्बो देशों द्वारा एकमत से रखे गए प्रस्तावों को स्वीकार करेगा तथा कि उनके प्रस्तावों को प्रथम बिना किसी संकोच के स्वीकार किया जायेगा जिससे भारत-चीन सीमान्त मतभेदों को शान्तिमय तरीकों से दूर किया जा सकेगा ।

श्री यशपाल सिंह : तिब्बतकी रक्षा करना हमारा नैतिक कर्त्तव्य है और राजनीतिक कर्त्तव्य भी है, और यह हमारे डिफेंस के लिये भी जरूरी है । तो क्या मैं जान सकता हूं कि सरकार इस मामले में तिब्बत की दलाईलामा सरकार को कोई आश्वासन दे रही है ?

अध्यक्ष महोदय : यह अलाहिदा सवाल है । इससे इसका कोई ताल्लुक नहीं है ।

श्री किशन पटनायक (सम्बलपुर): क्या मैं जान सकता हूं कि हमारे मिलिटरी इंटेलीजेंस की कुछ तरक्की हुई है जो कि पहले तीसरे दरजे की थी ? और दूसरी बात यह है कि अब अगर चीन का हमला हुआ तो क्या हम अपनी हवाई शक्ति का भी प्रयोग करेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : यह कैसे बतलाया जा सकता है पहले से कि हवाई शक्ति का प्रयोग करेंगे या नहीं । सवाल के पहले हिस्से का जवाब दे सकते हैं कि क्या हमारे मिलिटरी इंटेलीजेंस ने इत्तला दी है कि वहां क्या कुछ हो रहा है ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : आम तौर से मिलिटरी इन्टेलीजेंस की इत्तला बतायी नहीं जाती । लेकिन जाहिर है कि जो कुछ मैंने बताया है उसी जरिये से बताया है, और कोई खबर तो हमारे पास नहीं है ।

श्री किशन पटनायक : क्या मिलिटरी इंटेलीजेंस में कुछ तरक्की हुई है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैं क्या अर्ज करूं, हमारी तरक्की तो जारी है ।

†**श्री प्र० चं० बरुआ** (शिवसागर) : तिब्बत में सेनाओं का जमाम के उल्लेख से मैं यह जानना चाहता हूं कि जाने से पहिले चीनी सेना अधिकारियों ने नेफा में इस प्रकार का वातावरण बनाया और लोगों को अपनी तरफ करके यह कहा कि वे उनके विरूद्ध नहीं और फिर भी आयगे ।

†**श्री जवाहरलाल नेहरू** : ऐसी बातें हमने भी सुनी हैं कि कुछ चीनी अधिकारियों ने ऐसा कहा है ।

†**श्री सुरेन्द्र नाथ द्विवेदी** (केन्द्रपाड़ा) : इस स्थिति में भारत से लगते स्थानों के लिये क्या व्यवस्था की गयी है ।

---

†मूल अंग्रेजी में

†**श्री जवाहरलाल नेहरू** : हम प्रत्येक प्रकार से सचेत हैं। जासूसों का पता लगने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। उन व्यक्तियों के विरूद्ध भी कार्यवाही की गयी है जिनकी वफादारी पर शक था। इसमें कोई सन्देह नहीं कि सरकार अपने निर्णयों पर कायम रहेगी और धमकियों के आगे नहीं झुकेगी। चीनियों की युद्ध क्षमता के बारे में एकत्र की गयी गुप्त जानकारी को प्रकट नहीं किया जा सकता।

†**श्री हेम बरुआ** : क्या प्रधान मंत्री आज की स्थिति में यह आश्वासन देंगे कि सरकार कोलम्बो प्रस्तावों पर दृढ़ रहेगी और उससे इधर उधर नहीं होगी।

†**श्री जवाहरलाल नेहरू** : नहीं मैं किसी प्रकार का आश्वासन नहीं दे सकता। हम अपनी बात पर दृढ़ रहेंगे। इससे अधिक हम कुछ नहीं कह सकते।

श्री यशपाल सिंह : हमारे देश की हिफाजत के लिये यह जानना जरूरी है कि हमारी सरहद पर चाइना की एअर फोर्स का आफेंसिव पोटेंशियल क्या है। क्या मैं जान सकता हूं कि हमारी सरकार ने पता लगाया है कि हमारी सरहद पर चाइना ने कितनी एअर फोर्स इकट्ठी कर रखी है।

श्री जवाहरलाल नेहरू : कुछ न कुछ मालूमात तो जमा किया ही करते हैं, लेकिन जो कुछ मालूमात जमा की हैं उनको मैं यहां आपके सामने अर्ज करने के लिये तैयार नहीं हूं।

†**अध्यक्ष महोदय** : अब पत्र सभा पटल पर रखे जायंगे।

सभा पटल पर रखे गये पत्र

†**सिंचाई और विद्युत् मंत्री (हाफिज मुहम्मद इब्राहीम)** : मैं कृष्णा–गोदावरी के जल के संबंध में एक वक्तव्य सभा पटल पर रखता हूं।

[पुस्तकालय में रखी गई। देखिये संख्या एल० टी० १०२३/६३]

श्रीमती लक्ष्मी बाई उठीं

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्या क्यों खड़ी हो रही हैं?

एक माननीय सदस्य : वह कुछ सवाल पूछना चाहती हैं।

अध्यक्ष महोदय : उसकी इजाजत अब नहीं दी जा सकती।

अत्यावश्यक पण्य अधिनियम के अन्तर्गत अधिसूचना

†**खाद्य तथा कृषि मंत्री के सभा-सचिव (श्री शिन्दे)** : श्री अ० म० थामस की ओर से मैं अत्यावश्यक पण्य अधिनियम, १९५५ की धारा ३ की उपधारा (६) के अन्तर्गत दिनांक १६ मार्च, १९६३ की अधिसूचना संख्या जी० एस० आर० ४६२ में प्रकाशित उत्तर प्रदेश धान और चावल (लाने ले जाने पर रोक) संशोधन आदेश, १९६३ की एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं। [पुस्तकालय में रखी गई। देखिये संख्या एल० टी० १०२४/६३]

---

†मूल अंग्रेजी में